मुख्य परीक्षा

प्रश्न- जेंडर आधारित बजट प्रक्रिया से आप क्या समझते हैं? भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास में इसकी क्या भूमिका हो सकती है?

(150 शब्द)

What do you understand by gender based budgeting process? What could be its role in the socio-economic development of India?

(150 Words)

मॉडल उत्तर

मुख्य परीक्षा

भूमिका:- जेंडर बजटिंग का एक संक्षिप्त परिचय दें।

मुख्य संरचना:- भारत के परिप्रेक्ष्य में जेंडर बजटिंग की सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र में भूमिका स्पष्ट करें।

- महिलाओं के सशक्तिकरण में सहायक
- संसाधनों के उचित आवंटन एवं प्रयोग में सहायक
- योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहायक

उत्तर- जेंडर बजट कोई पृथक बजट नहीं होता है, बल्कि यह आम बजट में ही महिलाओं एवं पुरुषों के लिए किए गए प्रयासों एवं आवंटित संसाधनों को पृथक रूप में प्रदर्शित करता है। तकनीकी रूप से कोई भी बजट जेंडर न्यूट्रल होता है। लेकिन भारत जैसे राष्ट्र में बजट के परिणामों का जेंडर न्यूट्रल होना आवश्यक नहीं है, क्योंकि सामाजिक स्तर पर महिलाओं की स्थिति अपेक्षाकृत अच्छी नहीं है। अत: महिलाओं से जुड़े व्यय एवं योजनाओं को विशेष रूप से दिखाना आवश्यक होता है।

भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास में भूमिका:-

- जेंडर आधारित बजट में पुरुषों एवं महिलाओं के लिए आवंटित संसाधनों को प्रथम रूप से दिखाया जाता है। अत: इसके कुछ लाभ देखने को मिल सकते हैं-
- इससे महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है क्योंकि यह उनके लिए आवंटित संसाधनों को पृथक करता है।
- सरकारी बजट में पारदर्शिता, प्रभाविता, उत्तरदायित्व एवं दक्षता में वृद्धि होगी जिससे संसाधनों की मितव्यता में वृद्धि होगी।
- सरकारी प्रयासों का मूल्यांकन आसानी से किया जा सकता है, क्योंकि जिन योजनाओं का प्रारम्भ हुआ उनमें वास्तविक रूप से कितनी प्रगति की इसकी एक वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।
- जेंडर आधारित बजटिंग से सरकार अपने वादों के क्रियान्वयन के लिए बाध्य होगी जिससे महिलाओं के प्रति सभी प्रकार के भेदभावों को समाप्त किया जा सकता है। इस प्रकार निष्कर्षत: कहा जा सकता है कि जेंडर बजटिंग की भारत के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका हो सकती है तथा यह संसाधनों के प्रभावी उपयोग में सार्थक हो सकता है।

निष्कर्ष:- अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।